हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, शुक्रवार 16 जनवरी 2026

तापमान
अधिकतम 14.0 डिग्री
न्यूनतम 5.0 डिग्री

9 100 मीटर तेज चाल में सुमन खटकड़ प्रथम, नीलम द्वितीय

9 नागरिकों की शिकायतों का स्थायी समाधान करें

खबर संक्षेप

आज शहर में बंद रहेगी पेयजल की सप्लाई

उचाना। नेशनल हाइवे पर जमा होने वाले पानी की निकासी को लेकर उचाना जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए जा रहे कार्य के चलते 16 जनवरी को पानी की सप्लाई बाधित रहेगी। एसडीएम सुनीता देवी ने बताया कि पुलिस थाना के पास जो सर्विस रोड है वहां पानी भर जाता है। स्थाई समाधान हो इसको लेकर हाइवे स्थित पालवां बस स्टॉप पर कार्य चल रहा है।

उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की बैठक 20 को

कैथल। उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के अधीक्षक अभियंता सोमबीर भालोठिया ने बताया कि बिजली उपभोक्ताओं का शीघ्र निपटारा करने के लिए उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम की बैठक यूएचबीवीएन कार्यालय कैथल के सभागार में 20 जनवरी को आयोजित की जाएगी। इस बैठक की अध्यक्षता फोरम के अध्यक्ष योग राज करेंगे।

रंजिशन मारपीट करने पर दो के खिलाफ केस

जींद। गांव छात्तर में घर में घुस कर मारपीट करने पर उचाना थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव छात्तर निवासी फूलकुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव खटकड़ निवासी साधना तथा उसका पति प्रीतम उनके घर आए हुए थे। किसी बात को लेकर उसकी कहासुनी हो गई।

साइबर ठगों ने मुनीम के खाते से 5 लाख निकाले

कैथल। गांव सजूमा में एक मुनीम के खाते से पांच लाख निकालने का मामले सामने आया है। आरोपी ने मुनीम के पास वॉट्सऐप पर एपीके फाइल भेजी थी। जैसे ही मुनीम में उसे इंस्टॉल किया तो रुपये कटने का संदेश आया। साइबर थाना में शिकायत दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले में आगामी जांच शुरू कर दी है।

आत्महत्या को मजबूर करने वाली पत्नी काबू

जींद। सदर थाना नरवाना पुलिस ने डोहानाखेड़ा में पति को आत्महत्या के लिए मजबूर करने की आरोपित पत्नी को गिरफ्तार किया है। मूलतः गांव डोहानाखेडा हाल बाबूराम वाली गली नरवाना निवासी जतिन ने गत सात जनवरी को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके पिता राजेश की शादी वर्ष 2003 मे गांव सैपल रोहतक निवासी पूनम के साथ हुई थी।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा दे 1. 68 लाख ठगे

कैथल। गांव संगरौली के किसान से क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर 1. 68 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने पीड़ित को पहले मोबाइल फोन पर वीडियो कॉल के माध्यम से एचडीएफसी बैंक का अधिकारी बताया। पीड़ित ने साइबर थाना पुलिस को शिकायत दी।

आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोपित दबोचा

जींद। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने व्यक्ति को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव खेड़ी तलौडा निवासी बाला गत 22 जून ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके पति विनोद ने गांव जामनी निवासी नसीब से एक लाख रुपये में भैंस खरीदी थी।

सीवन क्षेत्र से युवती लापता, मामला दर्ज

कैथल। सीवन क्षेत्र के एक गांव से युवती लापता होने का मामला सामने आया है। युवती के चाचा ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने सदर थाना में युवती के चाचा की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस को दी शिकायत में युवती के चाचा ने बताया कि 13 जनवरी को उसकी भतीजी गांव से करीब रात को 12 बजे लापता हो गई।

सीलन की वजह से बिल्डिंग खराब, सीमेंट की परत तक उतरी

नागरिक अस्पताल: नई बिल्डिंग को भी रिपेयर की सख्त जरूरत

चार मंजिला बिल्डिंग पर सात करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च हुई थी

पुरानी बिल्डिंग का 14.91 करोड़ से रेनोवेशन का कार्य जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल की नई बिल्डिंग को बने हुए नौ साल हुए हैं और अभी से इस बिल्डिंग में सीलन आ गई। सीलन की वजह से बिल्डिंग की पिछले तरफ कई जगह से सीमेंटर की लेयर तक तक उखड़ चुकी है। जो सवालिया निशान खड़ा कर रही है। मामला स्वास्थ्य विभाग के संज्ञान में आया तो तुरंत इस बारे में उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया गया। अब निर्णय लिया गया कि पुरानी बिल्डिंग का 14.91 करोड़ से जो रेनोवेशन का कार्य करवाया जा रहा है, उसी में से नई बिल्डिंग की रिपेयर का कार्य करवाया जाएगा ताकि बिल्डिंग खराब न हो। नौ साल पहले ही बनी है अस्पताल की नई बिल्डिंगः नागरिक अस्पताल की नई बिल्डिंग नौ साल पहले ही बनी है। नई बिल्डिंग का उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 14 अक्टूबर 2017 को किया था। हालांकि यह बिल्डिंग 16 महीने बाद फरवरी 2021 में पूरी तरह से शुरू हो पाई थी। जिसके बाद ओपीडी जैसी सेवाएं नई बिल्डिंग में शिफ्ट हुईं और पुरानी बिल्डिंग के साथ इसका संचालन होने लगा। इस चार मंजिला बिल्डिंग पर सात करोड़ से अधिक की राशि खर्च हुई थी।

जींद। पीछे की तरफ से खराब नजर आ रही अस्पताल की नई बिल्डिंग।

उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किया था। 16 महीने बाद फरवरी 2021 में पूरी तरह से शुरू हो पाई थी। जिसके बाद ओपीडी सेवाएं शिफ्ट हुईं और पुरानी बिल्डिंग के साथ इसका संचालन प्रारंभ हो गया

नौ साल में ही बिल्डिंग खराब

उम्मीद थी कि नई बिल्डिंग सालोंसाल चलेगी और इसमें कोई खराबी नही आएगी। मात्र नौ साल में ही बिल्डिंग पीछे की तरफ से कई जगहों से खराब हो गई है। बिल्डिंग में जगह-जगह सीलन आ गई है। जिससे कई जगह सीमेंट की लेयर भी कई जगह से उतर चुकी है। बिल्डिंग पीछे की तरफ से इतनी खराब नजर आ रही है कि कोई इस तरफ देखना भी नही चाह रहा है। अस्पाल आने वाले लोगों का कहना है कि अभी से बिल्डिंग का यह हाल है तो आने वाले समय में यह बिल्डिंग जल्द ही कंडम हो जाएगी।

पुरानी बिल्डिंग के बजट से रिपेयर करवाएंगे

कार्यकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि नागरिक अस्पताल के जीर्णोद्धार का जो कार्य चल रहा है, उसके बजट में से नई बिल्डिंग की भी रिपेयर करवाई जाएगी। नई बिल्डिंग में भी कुछ जगहों पर रिपेयर की जरूरत है। नई बिल्डिंग को बने हुए नौ साल हो गए हैं। इसमें जो माइनर रिपेयर की जरूरत है, वह करवाई जाएगी।

मामला स्वास्थ्य अधिकारियों के संज्ञान में

नई बिल्डिंग के पीछे की तरफ से खराब होने का मामला स्वास्थ्य अधिकारियों के संज्ञान में है। बाकायदा पीएमओ डा. रघुवीर पूनिया के नेतृत्व में टीम ने इस बिल्डिंग का निरीक्षण भी किया और रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को दी है। जिस पर इस बिल्डिंग को रिपेयर करवाने का निर्णय लिया गया है। उच्च अधिकारियों के दिशा-निर्देशानुसार जो पुरानी बिल्डिंग का 14.91 करोड़ की लागत से रेनोवेशन हो रहा है, उस बजट में से ही नई बिल्डिंग को दुरूस्त करवाया जाएगा ताकि बिल्डिंग और ज्यादा खराब न हो।

शीत लहर का प्रकोप जारी न्यूनतम पारा 6 पर पहुंचा

छुट्टियां बढ़ी, सोमवार को खुलेंगे स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जिले में कड़ाके की ठंड लगातार जारी है। शीतलहर के चलते जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होकर रह गया है। सुबह व रात के समय ठंड का असर अधिक देखने को मिल रहा है, जिससे लोग घरों में दुबकने को मजबूर हैं। ठंड के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए शिक्षा विभाग ने भी स्कूलों की छुट्टियां भी 17 जनवरी तक बढ़ा दी हैं। बता दें कि 18 को रविवार है। इसके चलते जिले के सभी सरकारी व निजी स्कूल 19 जनवरी को खुलेंगे। हालांकि दो दिन से लगातार सूर्यदेव के दर्शन हो रहे हैं। रविवार को अधिकतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे दिन में कुछ राहत जरूर मिली, पर न्यूनतम तापमान 6 में बढ़ोतरी न होने से ठंड का असर कम नहीं हुआ है। लोग आवश्यक कार्यों के अलावा घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। वहीं, गरीब व असहाय लोगों के लिए ठंड परेशानी का सबब बनी हुई है।

कैथल में ठंड से बुजुर्ग की मौत

कैथल। अर्जुन नगर में गली नंबर 1 में करीब 65 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति का शव पाया गया। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। राहगीरों ने जैसे ही शव को देखा, तो उन्होंने व्यक्ति की पहचान ईश्वर सिंह निवासी अर्जुन नगर के रूप में की और उसके परिजनों को इस बारे में सूचना दी। परिजनों मौके पर पहुंचे और शव को संस्कार करने के लिए ले गए। व्यक्ति की ठंड के कारण मौत होने का अनुमान लगाया जा रहा है। रिक्शा चलाने वाले की पड़ी नजर शव को देखने वाले ऑटो रिक्शा के चलाने वाले व्यक्ति प्रदीप ने बताया कि वह सुबह करीब आठ बजे अर्जुन नगर की गली नंबर 1 में बुकिंग के लिए पहुंचा था। कुछ यात्रियों को वहां से लेकर बस स्टैंड पर भेजना था, जो हिसार जाने वाले थे। शव का पोस्टमॉर्टम नहीं करवाया देखा कि पास में एक व्यक्ति पड़ा है। नजदीक जाकर देखा, तो पाया कि वह मर चुका था। तुरंत उसे ई-रिक्शा में डाला और परिजनों को बुलाकर उनके घर पर छोड़ आए। उन्होंने ठंड से व्यक्ति की मौत होने का अनुमान लगाया है।

सड़क हादसों मे एक की मौत

तेज रफ्तार कार चालक ने बाइक को मारी टक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों मे एक युवक की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल हो गए। संबंधित थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव धरौदी निवासी अशोक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका चचेरा भाई प्रदीप, गांव के ही ईश्वर, रवि बाइक पर सवार हो कर गांव तरफ जा रहे थे। टोहाना रोड पर तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को अंजाम देकर चालक कार समेत मौके पर फरार हो गए। राहगीरों ने तीनों को नागरिक अस्पताल नरवाना पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्रदीप को मृत घोषित कर दिया। वहीं गांव ढाकल निवासी रामनिवास को सड़क पार करते समय तेजरफ्तार कार ने टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गया। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर फरार वाहन चालको के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टूटे-फूटे पाइप लगाने पर जताया कड़ा विरोध

- आढ़तियों के विरोध के बाद बदले गए पाइप, काम फिर से प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

पूंडरी सब्जी मंडी में मार्केटिंग बोर्ड द्वारा सीवरेज पाइप दबवाने का कार्य कराया जा रहा था, लेकिन इस दौरान ठेकेदार द्वारा पुराने व टूटे-फूटे पाइप लगाए जाने पर सब्जी मंडी के आढ़तियों ने कड़ा विरोध जताया। आढ़तियों का आरोप था कि सरकारी कार्य में घटिया और पुराने पाइप लगाकर गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आढ़तियों के विरोध के बाद मामला स्थानीय विधायक सतपाल जांबा के संज्ञान में लाया गया, लेकिन विधायक के बाहर होने के कारण यह जानकारी उनके भाई एवं ग्राम सरपंच लाभ सिंह जांबा तक पहुंची। सरपंच लाभ सिंह जांबा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत संबंधित अधिकारियों से बातचीत की और पुराने पाइप हटाकर नए पाइप लगाने के स्पष्ट निर्देश दिए। सरपंच के हस्तक्षेप के बाद ठेकेदार द्वारा मौके से पुराने पाइप हटाकर नए सीवरेज पाइप लगाए गए, जिसके बाद कार्य दोबारा शुरू किया गया। इस दौरान सब्जी मंडी के आढ़तियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि भविष्य में कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया तो वे काम को आगे नहीं बढ़ने देंगे।

टेस्टिंग के लिए लगाए थे पाइप

वहीं ठेकेदार का कहना था कि जो पुराने पाइप मौके पर लाए गए थे, वे सिर्फ टेस्टिंग के लिए थे, उन्हें यहां स्थायी रूप से लगाए जाने का कोई इरादा नहीं था। हालांकि आढ़तियों का कहना है कि पाइप जमीन में दबाने की तैयारी हो चुकी थी, इसलिए उन्होंने समय रहते विरोध दर्ज कराया। फिलहाल नए पाइप लगाए जाने के बाद मंडी के आढ़तियों में संतोष देखा गया, लेकिन उन्होंने अधिकारियों से मांग की कि कार्य की गुणवत्ता की नियमित निगरानी की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।

अतिक्रमण और अवैध पार्किंग बनी परेशानी

राजौंद। राजौंद के मुख्य बाजार व मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण व अवैध पार्किंग ने वाहन चालकों व राहगीरों का जीना दुश्वार करके रख दिया है। दुकान के आगे रखा समान मुख्य मार्ग तक आ पहुंचा है। प्रशासन को नागरिकों व राहगीरों की सुविधा की कोई परवाह नहीं है। हर रोज अनेकों प्रशासनिक अधिकारी इन मार्गों से गुजरते है। लेकिन अतिक्रमण एवं मार्ग पर अवैध पार्किंग की ओर किसी का ध्यान नहीं है। कैथल,असंध मार्ग, पूंडरी -राजौंद मार्ग, पूंडरी चौंक पर अतिक्रमण दिनों दिन गंभीर समस्या का रूप लेता जा रहा है। बिना किसी अवरोध के फैल रहा अतिक्रमण प्रशासन की अनदेखी का परिणाम है। चालक विजय कुमार, रामबीर, राजकुमार ने प्रशासन से मांग की है कि बढ़ते अतिक्रमण पर प्रतिबंध लगाकर वाहन चालकों व राहगीरों को आए दिन होने वाली परेशानी से निजात दिलाई जाए।

हर सप्ताह बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण करने के निर्देश

- डीसी अपराजिता ने किया दत्तक ग्रहण एजेंसी का औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

डीसी अपराजिता ने वीरवार को श्री सनातन धर्म सभा द्वारा कोठी गेट कैथल पर चलाए जा रहे बाल उपवन आश्रम विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी तथा वृद्ध आश्रम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों एवं बुजुर्गों से मुलाकात की तथा उन्हें दी जा रही सुविधाओं का बारिकी से निरीक्षण किया।

डीसी अपराजिता स्वयं भी नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए उपहार व खाद्य पदार्थ लेकर पहुंचीं थीं। डीसी ने बच्चों की जरूरत को देखते हुए अधिकारियों को तुरंत रूम हीटर उपलब्ध करवाने सहित बाल रोग विशेषज्ञ को हर सप्ताह बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण करने के निर्देश दिए। ताकि सर्दी में बच्चों को कोई परेशानी न हो। डीसी अपराजिता ने कहा कि बच्चों की देखभाल व स्वास्थ्य में किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एजेंसी में रह रही स्पेशल नीड बच्ची को विशेष थेरेपी भी देने के आदेश दिए। उन्होंने बच्चों के स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी ली तथा कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य समय-समय पर चेक करवाया जाए तथा उन्हें ठंड से बचाव के भी उचित प्रबंध रखें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का बारीकी से ध्यान रखा जाए। रसोई हो या शौचालय, साफ-सफाई में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए।

कैथल। डीसी अपराजिता बाल उपवन आश्रम के बच्चों से मिलते। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सभा के सदस्य वरिष्ठ भाजपा नेता अरुण सर्राफ, रमेश बंसल, प्रेम चंद सिंगला, बृजभूषण, जिला बाल कल्याण समिति गुरदेव, रितू सिंगला, पुरुषोत्तम शर्मा, सीडीपीओ शशि बाला, काउंसलर राजबीर सिंह, पीओआइसी अमरजीत सिंह, मोनिका बंसल, कंचन मदान, नरेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

जुलाना। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मजदूर। फोटो :हरिभूमि

मजदूरों ने सरकार के खिलाफ जताया रोष

जुलाना। जुलाना कस्बे की लेबर शेड में भवन निर्माण कामगार यूनियन की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता मजदूर नेता सुभाष पांचाल ने की। बैठक को संबोधित करते मजदूर नेता सुभाष पांचाल ने कहा कि सरकार द्वारा लेबर विभाग की वेबसाइट को जांच के नाम पर लंबे समय से बंद रखा गया है। जिससे पंजीकृत भवन निर्माण कामगारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि साइट बंद होने के कारण मजदूरों को सरकार की ओर से मिलने वाले लाभ जैसे छात्रवृत्ति, शादी सहायता, चिकित्सा सहायता औजार सहायता व अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। सुभाष पांचाल ने आरोप लगाया कि लेबर विभाग की लापरवाही और उदासीन रवैये के चलते मजदूर आर्थिक संकट से गुजरने को मजबूर हैं। कई मजदूरों के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और परिवारों के सामने रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया है।

जागरूकता परंपरागत खेती छोड़ सात एकड़ में कर रहे आधुनिक खेती

10 साल पहले परंपरागत खेती छोड़ एक एकड़ में नींबू का बाग लगाया था

गांव सफाखेड़ी के सुरेंद्र श्योकंद आधुनिक खेती कर अन्य किसानों के लिए बने प्रेरणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

सफाखेड़ी गांव के किसान सुरेंद्र श्योकंद परंपरागत खेती को छोड़ कर बागवानी कर दूसरे किसानों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। आज से करीब 10 साल पहले जब सुरेंद्र ने परंपरागत खेती छोड़ कर एक एकड़ में नींबू का बाग लगाया था। काफी लोगों ने कहा कि ये काम मुश्किल है लेकिन सुरेंद्र श्योकंद ने इसे चुनौती मानते कड़ी मेहनत करके साबित किया कि परंपरागत खेती को छोड़ कर अगर बागवानी की तरफ किसान जाए तो काफी अधिक कमा सकते है। सुरेंद्र ने कहा कि करीब दस साल पहले नींबू का बाग लगा कर शुरूआत की थी। नींबू का बाग लगाने के बाद हर साल एक-एक एकड़ में अमरूद का बाग लगाया। टैंक बनाया इसके बाद ड्रिप से टपका विधि से सिंचाई शुरू की। एक एकड़ के बाद बागवानी को आगे बढ़ाते सब्जियां लगानी शुरू कर दी। सब्जियों से अच्छी इंकम होती है। घीया, तोरी, काकड़ी सहित अन्य सब्जियां उगाई। जिससे अच्छी आमदन हुई। एक एकड़ में नेट हाउस लगाया। नेट हाउस से अच्छी इंकम हुई तो फिर दो एकड़ में नेट हाऊस और लगाया। सुरेंद्र श्योकंद प्रतिवर्ष सात एकड़ में बीस लाख रुपये तक कमा रहे हैं।

नकारात्मक जानकारी मिली थी

सुरेंद्र ने कहा कि दस साल पहले मुश्किल लग रहा था लोगों की बाते सुन कर की ये मुश्किल कार्य है कि कहा इनको सप्लाई करोगे। नींबू का बाग लगाया था, उस समय नींबू को लेकर बड़ी नकारात्मक जानकारी मिली थी नींबू कहां बेच कर आओगे। उत्पादन होने पर पहले मंडियों में बेचने जाते थे। फिर एनसीआर में बड़ी मंडियों रूख किया। जिसका काफी अच्छा रूझान मिला। तब लगा कि ये कार्य अच्छा है आगे बढवा चाहिए। सात एकड़ का जमींनदार हूं, सात एकड़ में बागवानी कर रहा हूं। आज मेरे पास गेहूं, धान की बिजाई के लिए जमीन नहीं है। किसान ने कहा कि सरकार विशेषकर हार्टिकल्चर विभाग किसान का साथी है। जो भी अनुदान है। ड्रिप पर 85 प्रतिशत तक अनुदान मिलता है। दो भाई आपस में मिल कर कार्य करते है तो 50-50 प्रतिशत के हिस्सेदार होते है। विभाग ऐसा है जो भाई से अधिक आपका सहयोग करता है। कई स्कीम ऐसी है जिसमें 100 प्रतिशत अनुदान है।

जिला ड्रग कंट्रोलर ने वेटनरी दवा दुकानों पर की छापेमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला ड्रग कंट्रोलर की टीम ने गुरूवार को जींद में वेटनरी दवा की दुकानों पर छापेमारी की। यहां टीम ने यह जांचने का काम किया कि जो चार ड्रग बैन किए गए हैं, उन्हें बेचा जा रहा है या नही। टीम को किसी भी दुकान पर बैन किए गए ड्रग (दवा) नही मिली है। स्टेट ड्रग कंट्रोलर हरियाणा को शिकायतें मिल रही थी कि वेटनरी दवा दुकानों पर डिकलोफैनिक, कैटोप्रोफेन, एक्लोफैनेक, निमिसुलाइड बैन दवाओं को बेचा जा रहा है। जिस पर प्रदेशभर में सभी जिला ड्रग कंट्रोलर को वेटनरी दवा दुकानों पर जांच करने के आदेश दिए गए थे। स्टेट ड्रग कंट्रोलर हरियाणा ललित गोयल के दिशा-निर्देश पर जिला ड्रग कंट्रोलर गीता गोयल के नेतृत्व में टीम ने गुरूवार को शहर में वेटनरी दवा बेचने वाली दुकानों पर दस्तक दी। टीम द्वारा लगभग 15 दुकानों पर जांच अभियान चलाते हुए बैन की गई दवाओं को जांचने का काम किया लेकिन टीम को कहीं भी बैन दवाएं नही मिली। जिला ड्रग कंट्रोलर गीता गोयल ने बताया कि वेटनरी दवा की दुकानों पर टीम द्वारा जांच की गई है। विभागीय टीम ने 15 दुकानों पर जांच की है।

रोचक / शिखर चंद जैन

पट-पट उछलने-कूदने वाला पॉपकॉर्न!

बच्चो, पॉपकॉर्न यानी भुने हुए मकई के दाने। मकई के दाने भूनते समय तुमने देखा होगा, कैसे पट.. पट.. करके उछलते-कूदते हैं। इन्हें देखकर बहुत मजा आता है। ये भूनते समय इस तरह क्यों उछलते-कूदते हैं? इन्हें इस तरह कब से खाए जाने की शुरुआत हुई, इनका क्या है इतिहास, इसका नाम पॉपकॉर्न कैसे पड़ा? पॉपकॉर्न से जुड़ी रोचक जानकारियां।

बच्चो, पॉपकॉर्न एक ऐसा स्नैक्स है, जो टेस्टी होने के साथ-साथ हेल्दी भी होता है। हल्की-फुल्की भूख के लिए पॉपकॉर्न एक बेहतरीन ऑप्शन है। तुम्हारा यह पसंदीदा पॉपकॉर्न दुनिया भर में पॉपुलर है। क्या तुम्हें पता है, कि पॉपकॉर्न की पसंद और इसके हेल्थ बेनिफिट्स को सेलिब्रेट करने के लिए 'पॉपकॉर्न-डे' भी मनाया जाता है। बच्चो, हर साल 19 जनवरी को अमेरिका में 'नेशनल पॉपकॉर्न-डे' मनाया जाता है।

नया नहीं है पॉपकॉर्न: कॉर्न (मकई) के एक विशेष प्रकार, जिसका वैज्ञानिक नाम 'जिया मेज एवर्टा' है, से पॉपकॉर्न बनाया जाता है। यह मकई

इस मायने में अलग है कि इसका पेरिकार्प यानी छिलका मोटा होता है। पॉपकॉर्न बनाने की शुरुआत 5000 साल से भी पहले हो चुकी थी। पेरू में 6700 साल पहले भी पॉपकॉर्न खाए जाते थे, इस बात के भी प्रमाण मिले हैं।

कब हुआ पॉपुलर: 1885 में चार्ल्स क्रेटर्स द्वारा मोबाइल पॉपिंग कार्ट के आविष्कार के बाद से पॉपकॉर्न पॉपुलर हुआ। इसके बाद से पॉपकॉर्न आसानी से तैयार किए और खरीदे-बेचे जाने लगे। धीरे-धीरे यह बच्चों और बड़े सभी का फेवरेट स्नैक्स बनता गया। खाने के साथ-साथ पेड़-पौधों की सजावट में भी इसका इस्तेमाल किया जाने लगा। आज भी कई जगहों पर क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए पॉपकॉर्न का इस्तेमाल किया जाता है।

उछलता है इसलिए नाम पड़ा 'पॉप' कॉर्न: पॉपकॉर्न के दानों में 14 प्रतिशत तक नमी होती है। जब इन दानों को गर्म किया जाता है, तो पानी भाप बन जाता है। यह भाप जब दाने से बाहर आने का प्रयास करती है तो दाना पट-पट की आवाज के साथ उछलता है और फूट जाता है। जिससे ये पॉपकॉर्न बन जाते हैं। फूटते समय पॉपकॉर्न 3 फीट (लगभग 1 मीटर) तक उछल सकता है। इसके उछलने की प्रवृत्ति के कारण ही इसे 'पॉप' कॉर्न कहते हैं।

तरह-तरह के पॉपकॉर्न: पॉपकॉर्न कई तरह के होते हैं। 'जिया मेज' की लगभग 25 विभिन्न किस्में हैं। इनमें से दो प्रमुख प्रकार हैं-राइस पॉपकॉर्न और पर्ल पॉपकॉर्न। मक्के की यह प्रजाति आमतौर पर छोटी होती है। इसके दाने का आवरण और बाहरी भ्रूणपोष बेहद सख्त होता है।

दो तरह के मुख्य शेप: पॉपकॉर्न मुख्य रूप से दो अलग-अलग शेप में फूटते हैं।

स्नोफ्लेक: यह आकार में बड़ा और ऊबड़-खाबड़ होता है। मूवी थिएटर में तुम यही पॉपकॉर्न खाते हो। यह दिखने में ज्यादा लगता है।

मशरूम: यह गोल और ठोस होता है। इसका इस्तेमाल तब किया जाता है, जब पॉपकॉर्न पर चॉकलेट या कैरेमल की परत चढ़ानी हो, क्योंकि यह आसानी से टूटता नहीं है।

हेल्दी ब्रेकफास्ट है पॉपकॉर्न: पॉपकॉर्न खाने में मजा तो आता ही है, यह हेल्थ के लिए भी अच्छा होता है। 19वीं सदी में इसे दूध और चीनी के साथ नाश्ते के रूप में खाया जाता था। आज भी इसे तरह-तरह से खाया जाता है। इसमें भरपूर फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। साथ ही पॉपकॉर्न, मैंगनीज, फॉस्फोरस और जिंक का अच्छा स्रोत है। इसमें कैलोरी बेहद कम होती है और हार्मफुल ग्लूटेन नहीं पाए जाते। आजकल मल्टीप्लेक्स मूवी थिएटर्स में बड़े-बड़े स्टाइलिश डब्बों में तरह-तरह के मसालों से युक्त पॉपकॉर्न खूब बिकते हैं। *

दुनिया का सबसे बड़ा पॉपकॉर्न बॉल

बच्चो, क्या तुम इमेजिन कर सकते हो कि एक पॉपकॉर्न बॉल कितना बड़ा हो सकता है? अमेरिका के आयोवा राज्य के सैक सिटी में साल 2016 में 9,370 पाउंड (लगभग 4250 किलोग्राम) वजन का पॉपकॉर्न बॉल बनाया गया। यह पॉपकॉर्न बॉल 24 फीट चौड़ी और 8 फीट से ज्यादा ऊंची है। इस पॉपकॉर्न बॉल का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल है।

माइक्रोवेव की खोज में मददगार बना पॉपकॉर्न

बच्चो, एक इंटरेस्टिंग फैक्ट यह है कि तुम्हारे घर में रखे माइक्रोवेव ओवन का आविष्कार पॉपकॉर्न की वजह से ही हुआ था। साल 1945 में पर्सी स्पेंसर नाम के वैज्ञानिक एक मशीन पर काम कर रहे थे। उन्होंने देखा कि हीट की वजह से उनकी जेब में रखे पॉपकॉर्न के दाने अचानक फूटने लगे। इसी से उन्हें माइक्रोवेव बनाने का आइडिया आया।

पेंगुइन अपनी अनोखी शारीरिक संरचना के लिए जाना जाता है। इनकी ज्यादातर प्रजातियां लुप्त होने की कगार पर हैं। पेंगुइन पर मंडराते खतरे के कारण इनके संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से प्रति वर्ष 20 जनवरी को 'पेंगुइन अवेयरनेस-डे' मनाया जाता है। जानो, पेंगुइन की कुछ प्रजातियों के बारे में।

अजब-अनूठा पक्षी पेंगुइन

पक्षी जगत

मच्छिंद्र ऐनापुरे

पेंगुइन पक्षी का नाम सुनते ही हमारे दिमाग में एक प्यारे-से, काले-सफेद रंग का पक्षी आ जाता है, जो बर्फ पर मजेदार ढंग से मटकते हुए चलता है। बच्चो, दुनिया में पेंगुइन की अनेक प्रजातियां पाई जाती हैं। जानो, पेंगुइन की कुछ प्रजातियों के बारे में।

एंपरर पेंगुइन: यह पेंगुइन की दुनिया का राजा माना जाता है। एंपरर पेंगुइन सबसे बड़े आकार के पेंगुइन होते हैं। इनकी ऊंचाई लगभग 3 फीट 7 इंच होती है। वजन 35 से 40 किलो तक होता है। ये अत्यंत ठंडे इलाके अंटार्कटिका में रहते हैं। एंपरर पेंगुइन शानदार तैराक होते हैं, ये गहरे समुद्र में गोते लगाकर तैरते हैं।

यलो-आइड पेंगुइन: यह पेंगुइन न्यूजीलैंड में पाया जाता है। इसकी पीली-पीली आंखें और सिर पर पीली धारियां होती हैं। इसकी शारीरिक विशेषताओं के आधार पर ही इसका नामकरण हुआ है।

किंग पेंगुइन: एंपरर पेंगुइन से आकार में थोड़े छोटे और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े आकार के पेंगुइन होते हैं-किंग पेंगुइन। इनके सिर के पास पानी की बूंद जैसा पीला निशान होता है। इनमें भी वे सभी विशेषताएं पाई जाती हैं, जो एंपरर पेंगुइन में होती हैं। ये भी अंटार्कटिका में पाए जाते हैं।

रॉकहॉपर पेंगुइन: इनकी आंखों के ऊपर सुंदर-सी भौंहें होती हैं। ये चट्टानों पर उछल-कूद करते हुए चलते हैं। रॉकहॉपर पेंगुइन की दो प्रमुख प्रजातियां पाई जाती हैं। पहली, नॉर्दन रॉकहॉपर, जिनकी भौंहें बड़ी और उभरी हुई होती हैं। दूसरी, सदर्न रॉकहॉपर, जिनकी भौंहें थोड़ी छोटी होती हैं।

मैकरॉनी पेंगुइन: इस पेंगुइन का नाम (खाने वाली डिश मैकरॉनी) बड़ा मजेदार है न! इसका चेहरा काला, चोंच नारंगी और माथे पर पीले रंग की सुंदर कलगी होती है। यही इसकी पहचान है।

लिटिल पेंगुइन: नाम जैसा, आकार वैसा! ये दुनिया के सबसे छोटे आकार के पेंगुइन होते हैं। इनकी ऊंचाई सिर्फ 12 से 13 इंच तक और वजन करीब 1.2 से 1.3 किलोग्राम तक होता है।

गैलापैगोस पेंगुइन: यह दुनिया की इकलौती पेंगुइन प्रजाति है, जो भूमध्य रेखा (इक्वेटर) के पास रहती है। यह गैलापैगोस द्वीप समूह में पाई जाती है।

अफ्रीकन पेंगुइन: ये पेंगुइन अफ्रीका महाद्वीप के दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया देशों में पाए जाते हैं। इन पेंगुइन की आंखों के चारों ओर फर नहीं होते और छाती पर काली पट्टी होती है। *

भारत में भी देखी जा सकती है पेंगुइन

बच्चो, तुम सोच सकते हो कि कि पेंगुइन सर्द प्रदेशों/स्थलों में पाया जाने वाला पक्षी है, इसे भारत जैसे गर्म देश में नहीं देखा जा सकता, लेकिन ऐसा नहीं है। तुम अपने देश में भी पेंगुइन को देख सकते हो। मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भोसले प्राणी संग्रहालय (रानी का बाग) में 18 पेंगुइन देखे जा सकते हैं। ये हंबोल्ट प्रजाति के पेंगुइन हैं, जो मूल रूप से पेरू और चिली से लाए गए हैं। साल 2016 में यहां सिर्फ 8 पेंगुइन थे, अब उनकी संख्या बढ़कर 18 हो गई है।

कविता / फहीम अहमद

मखमली धूप

ठिठुर रहे तन को लगती है
मखमल-सी जाड़े की धूप।
धीरे से मन को छू जाती
कोमल-सी जाड़े की धूप।
मीठे गीत सुनाती हमको,
कोयल-सी जाड़े की धूप।

सबके दिल में घर कर जाती
चंचल-सी जाड़े की धूप।
ठिठुरन वाले सन्नाटे में
हलचल-सी जाड़े की धूप।
जब छत पर लेटें तो ओढ़ें
कंबल-सी जाड़े की धूप।
नानी की गोदी, अम्मा के
आंचल-सी जाड़े की धूप।

बूझो तो जानें

1
भूरा-काला रुई-सा हल्का
मैं नभ में उड़ता जाता।
बरसातों का दूत बनूं मैं
गड़-गड़ गड़-गड़ शोर मचाता।

2
सड़क नहीं, आकाश सवारी
पंख लगे, पर नहीं हूं चिड़िया।
लोगों को सुदूर पहुंचाऊं
वायु भांति मेरी गति बढ़िया।

3
बत्ती नहीं, न कोई तेल
रातों को कर देता जगमग।
ज्यों नींद खुले सूरज की
मैं छुप जाता चलकर डगमग।

- गौरीशंकर वैश्य विनम्र

उत्तर : 1.बादल, 2.हवाई जहाज, 3.जुगनू

जीके क्विज-188

1. दृष्टिबाधित लोगों के लिए पहली ब्रेल लाइब्रेरी किस राज्य में खोली गई है?
2. भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच हाल ही में किसे नियुक्त किया गया है?
3. सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश कौन हैं?
4. इन दिनों 53वें विश्व पुस्तक मेला का आयेजन किस शहर में किया जा रहा है?
5. सापेक्षता का सिद्धांत (थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी) की खोज किसने की थी?
6. विश्व का सबसे घना जंगल कौन सा है?
7. लावणी किस राज्य का पारंपरिक लोकनृत्य है?
8. भारत में केसर का उत्पादन सबसे ज्यादा किस राज्य में होता है?
9. विश्व का सबसे बड़ा मरुस्थल कौन सा है?
10. 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' के लेखक कौन हैं?

बच्चो, जीके क्विज-188 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-187 का उत्तर : 1.दीप्ति शर्मा, 2. जापान, 3.काम्या कार्तिकेयन, 4.सारनाथ, 5.सी. राजगोपालाचारी, 6.ओडिशा, 7.विटामिन-ए, 8.मुंबई से ठाणे, 9.नाइक्रोम, 10.तमिलनाडु

जीके क्विज-187 का सही उत्तर देने वाले : गौरव-कोरबा, कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, ज्योति-बैकुंठपुर, रमेश-रायगढ़, कोमल-रोहतक, शुभम-रायपुर, रौनक-दुर्ग, कमल-बिलासपुर, सुमन-रायगढ़, शिप्रा-महासमुंद

कहानी

हरीश कुमार अमित

मयंक और उसके दादा जी ने एक दिन शर्त लगाई, कौन कितने देर बिना बोले रह सकता है, जो पहले बोलेगा, तय शर्त के अनुसार हर्जाना भरेगा। मयंक को लगा दादा जी शर्त हार गए, जबकि दादा जी को लगा मयंक हारा। लेकिन वास्तव में शर्त कौन जीता?

लग गई शर्त

मयंक बहुत बातूनी है। लंबी-लंबी बातें करना उसे अच्छा लगता है। थोड़ी देर तक भी बिना बोले रहना उसके लिए मुश्किल है। आज मयंक के स्कूल की छुट्टी थी। वह दादा जी के कमरे में उनके पास बैठा उनसे बातें कर रहा था। बातों-बातों में दादा जी ने मयंक से शर्त लगा ली, कौन ज्यादा देर तक बिना बोले रह सकता है। शर्त के अनुसार उन दोनों में से जो पहले बोलेगा, वह शर्त हार जाएगा। दादा जी ने यह भी कहा कि अगर खुद वे शर्त हार गए तो मयंक को रेस्टोरेंट ले जाकर मसाला डोसा खिलाएंगे। और अगर मयंक शर्त हार गया तो वह पिछले दिनों अपने जन्मदिन पर मिले चॉकलेट के डिब्बे से पांच चॉकलेट दादा जी को देगा।

शर्त लगने के बाद दादा जी और मयंक दोनों एक-दूसरे से इशारों-इशारों में ही बातें करने लगे। घर में उस समय और कोई मौजूद नहीं था। मयंक के मम्मी-पापा कहीं गए हुए थे, उन्हें शाम तक ही घर लौटना था। मयंक को पूरा विश्वास था, वह शर्त जीत जाएगा।

थोड़ी देर बाद दादा जी के मोबाइल फोन पर मयंक के पापा का फोन आया। पापा ने यह बताने के लिए फोन किया था कि वे लोग शाम को आठ बजे तक ही वापस आ पाएंगे। दादा जी ने पापा की बात तो सुन ली, लेकिन खुद जो कहना था, वह टेक्स्ट मैसेज में लिखकर भेज दिया। साथ ही चुप रहने की शर्त के बारे में भी लिख दिया ताकि फोन पर उनके बात न करने के कारण पापा को कुछ अटपटा न लगे। थोड़ी देर बाद मयंक का जी करने लगा कि कुछ बोला जाए, लेकिन शर्त के कारण उसने अपने आपको रोके रखा। कुछ देर बाद अचानक मयंक को दादा जी की आवाज सुनाई दी। दादा जी की आवाज सुनते ही वह जोर से बोल उठा, 'मैं जीत गया! मैं जीत गया!' 'जीत तो मैं गया हूं, बेटा। तुम पहले जो बोल पड़े हो।' दादा जी ने हंसते हुए कहा।

'जीता तो मैं हूं, दादा जी! पहले आपकी आवाज सुनाई दी है!' मयंक ने दादा जी की बात का खंडन किया।

'आवाज से क्या होता है? बोले तो पहले तुम ही हो! इसलिए मैं शर्त जीत गया हूं।' दादा जी ने हंसते हुए जवाब दिया।

'कैसे, दादा जी? पहले आप बोले, तभी तो आपकी आवाज सुनाई दी।' मयंक ने दादा जी को समझाना चाहा।

'लेकिन मैं पहले बोला ही नहीं था। मैंने तो यह वीडियो चलाया था, जिसमें मेरी आवाज है।' कहते हुए दादा जी ने अपने कुर्ते की जेब से अपना मोबाइल फोन निकाल कर वह वीडियो फिर से चला दिया। यह वही वीडियो था, जो मयंक ने उनके फोन पर कुछ दिन पहले बनाया था। इस वीडियो में दादा जी मयंक को एक कहानी सुना रहे थे।

'पर यह तो चीटिंग है, दादा जी!' मयंक ने विरोध जताया।

'इसमें चीटिंग की क्या बात है? तुम्हें मेरी असली आवाज और वीडियो से आ रही आवाज का अंतर समझना चाहिए था।' दादा जी मुस्कुराते हुए बोले।

दादा जी का यह तर्क सुनकर मयंक जवाब में कुछ न बोल सका। उसने अपनी हार मान ली और चुपचाप एक तरफ बैठ गया।

मयंक का उदास चेहरा देखकर दादा जी कुछ देर सोचते रहे और फिर हंसते हुए बोले, 'बेटा, मैं तो मजाक कर रहा था तुमसे! शर्त तो तुम ही जीत गए हो, क्योंकि मेरी आवाज पहले सुनाई दे गई थी। असल में सुबह से ही मेरा बहुत मन कर रहा था कि तुम्हारे साथ रेस्टोरेंट में जाकर गरमा-गरम मसाला डोसा खाया जाए। इसीलिए मैंने तुम्हारे साथ यह शर्त लगाई थी, और मैं जान-बूझकर शर्त हार भी गया ताकि मसाला डोसा खाने की मेरी इच्छा पूरी हो सके।' दादा जी के मुंह से यह सब सुनकर मयंक मन ही मन बहुत खुश हो गया। दादा जी आगे बोले, 'तुम्हारे मम्मी-पापा को तो कई घंटे बाद घर लौटना है। तब तक हम दोनों चलते हैं रेस्टोरेंट में मसाला डोसे का आनंद उठाने। तुम तैयार हो जाओ फटाफट।'

यह सुनकर मयंक के चेहरे की उदासी मिट गई और वह खुशी-खुशी दादा जी के साथ रेस्टोरेंट जाने के लिए तैयार होने लगा। उसे दादा जी के साथ मसाला डोसे का आनंद जो लेना था। *

तुम्हारे लिए नई किताब / समीर गांगुली

रोचक-प्रेरक कहानी

बच्चो, दुनिया भर में बच्चों के लिए बहुत अच्छी-अच्छी किताबें लिखी जा रही हैं। ये किताबें तुम्हें जरूर पढ़नी चाहिए, क्योंकि ये तुम्हारा एक नए प्रकार का मनोरंजन करेंगी। इन किताबों को पढ़कर तुम जानोगे कि दुनिया कितनी मजेदार है, अद्भुत कल्पनाओं और रोमांच से भरी है। ऐसी ही एक किताब है 'स्टोरी ऑफ डॉक्टर डूलिटिल' यानी पशु भाषा विशेषज्ञ डॉक्टर डूलिटिल की कहानी। यह एक ऐसे डॉक्टर की कहानी है, जो था तो इंसानों का डॉक्टर, लेकिन जानवरों का इलाज करने लगा। यह डॉक्टर जानवरों की बोलियां समझता ही नहीं था, उनके साथ बात भी करता था। यह सब उसे पोलेसेनिया नाम के एक तोते ने सिखाया था। जब डॉक्टर डूलिटिल पशु-पक्षियों से बात करके उनकी समस्याओं को जानकर उनका इलाज करने लगा तो उसके सभी बीमार पशु-पक्षी जल्दी-जल्दी स्वस्थ होने लगे। इस तरह वह डॉक्टर, इंसानों के इलाज के लिए ही नहीं, पशु-पक्षियों के इलाज के लिए भी बहुत मशहूर हो गया। फिर डॉक्टर डूलिटिल को अफ्रीका से एक संदेश मिला कि वहां के बंदरों में एक जानलेवा बीमारी फैली है, जिससे वे तेजी से मर रहे हैं। फिर क्या था, डॉक्टर डूलिटिल अफ्रीका के लिए निकल पड़े। इसके बाद क्या हुआ, यह जानने के लिए बच्चो, तुम्हें इस किताब को पढ़ना होगा। इस किताब के लेखक हैं ह्यु लॉफ्टिंग, जिन्होंने सन 1920 में इसे लिखा था। यह किताब इतनी लोकप्रिय हुई कि डॉक्टर डूलिटिल की एक के बाद एक रोचक कहानियों वाली 12 किताबें प्रकाशित हुईं। इन पर कई फिल्में भी बनीं। दुनिया भर की अनेक भाषाओं में इन किताबों का अनुवाद भी हुआ है। ये किताबें विश्व बाल साहित्य की धरोहर हैं। *

किताब : पशु भाषा विशेषज्ञ डॉक्टर डूलिटिल की कहानी (फैंटेसी उपन्यास), **लेखक :** ह्यु लफ्टिंग, **अनुवाद :** आलोक कुमार, **मूल्य :** 199 रुपए, **प्रकाशक :** फ्लाईड्रीम्स पब्लिकेशंस, नई दिल्ली

अंतर बताओ

बच्चो, यहां अपने क्यूट से डॉगी के साथ खड़ी लड़की के दो चित्र दिए गए हैं। एक जैसे दिख रहे इन चित्रों में छह अंतर हैं। तुम्हें तीन मिनट में ये छह अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट ये सभी छह अंतर खोजकर बताओ-

उत्तर: 1. बाईं तरफ लड़की के बालों की लट खुली हुई नहीं है। 2.लड़की के दाएं हाथ में ब्रेसलेट पहना हुआ है। 3.लड़की की टी-शर्ट पर फूल बना हुआ है। 4.लड़की का बायां हाथ थोड़ा मुड़ा हुआ है। 5.डॉगी की आंखें बंद हैं। 6.डॉगी की जीभ अंदर है।

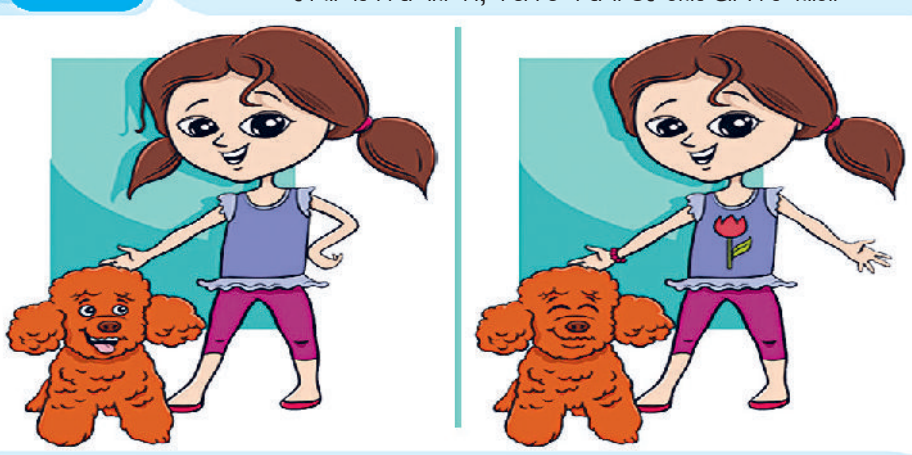

गिनकर बताओ

बच्चो, यहां दो तरह की मछलियों के कई सारे चित्र दिए गए हैं। तुम गिनकर बताओ, किस मछली की संख्या कितनी है?

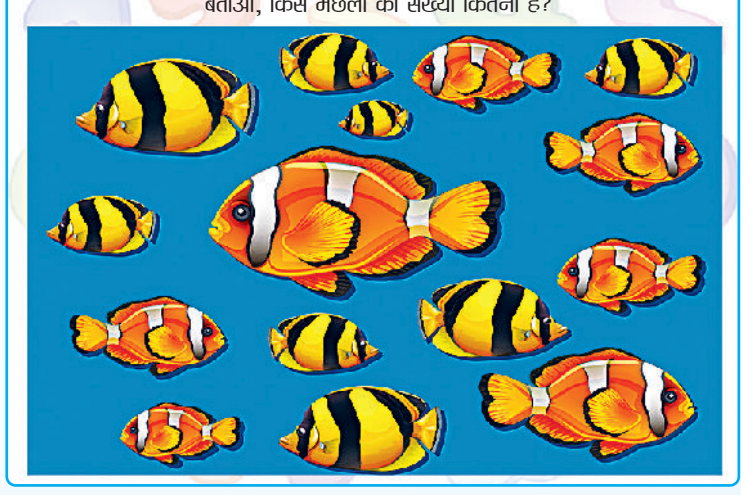

खबर संक्षेप

पूर्व मंत्री ने ली इनेलो कार्यकर्ताओं की बैठक

जींद। इनेलो के जिला कार्यालय में जिला युवा स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व मंत्री रामपाल माजरा खास तौर पर शामिल हुए। रामपाल माजरा ने कहा कि जींद में छह फरवरी को युवा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। बैठक में नरवाना की टीम की ड्यूटी लगाई गई कि वह वहां पर स्थान का चयन कर अवगत करे। इसके लिए नरवाना की टीम का गठन किया गया।

देशभक्त किसान चौपाल गांव खुर्द में 18 को होगी

उचाना। 18 जनवरी को उचाना खुर्द गांव में आयोजित होने वाली देशभक्त किसान चौपाल को लेकर विभिन्न गांव के दौरे उचाना मंडल अध्यक्ष सतीश जांगड़ा की अगुवाई में किए। जांगड़ा ने बताया कि भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री, जिलाध्यक्ष तिजेंद्र ढूल मुख्य रूप से पहुंचेंगे। गांव के किसान अपनी किसी तरह की समस्या यहां आकर रख सकते है।

मेधावी छात्र संशोधित योजना के तहत त्रुटि 22 तक करवाएं ठीक

जींद। जिला कल्याण अधिकारी दीपिका सारसर ने बताया कि डा. अम्बेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के तहत वर्ष 2025-26 के आवेदन 31 जनवरी तक सरल पोर्टल पर ऑनलाइन किए जा रहे हैं। परंतु कार्यालय द्वारा प्राप्त आवेदन पत्रों में से कुल 1008 आवेदन पत्रों में दस्तावेजों की त्रुटि पाई गई है। ऐसे सभी छात्र व छात्राओं के दस्तावेज 22 जनवरी 2026 तक त्रुटि दूर करके प्राप्त किए जाने हैं।

अभियान के तहत 150 लीटर लाहन पकड़ा

जींद। जिला जींद में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सीआइए स्टाफ सफीदों की टीम ने 150 लीटर लाहन बरामद किया है। सीआइए स्टाफ सफीदों के प्रभारी उप निरीक्षक राधे श्याम ने बताया कि उनकी एक टीम अपराध रोकथान के लिए गांव रोहड़ में मौजूद थी। मुखबर द्वारा सूचना दी गई कि रोहड़ निवासी विटी अपने घर में अवैध शराब का कारोबार करती है।

नशा शरीर, परिवार और समाज का सबसे बड़ा शत्रु

जींद। जुलाना में नशे के दुष्प्रभाव, साइबर फ्राड व यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए नशा मुक्ति टीम ने अभियान चलाया। नशा मुक्ति टीम के इचार्ज उपनिरीक्षक नरेश कुमार ने कहा कि नशा व्यक्ति के शरीर, परिवार और समाज तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। यह न केवल स्वास्थ्य को बर्बाद करता है बल्कि युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय कर देता है।

ईंटों से हमला, मां व बेटे के खिलाफ मामला दर्ज

जींद। उचाना थाना पुलिस ने गांव छात्तर में बेटे के ससुरालजनों ने व्यक्ति पर ईंटों से हमला कर दिया। इससे उसको गंभीर चोटें आई। पुलिस ने मां व बेटे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। छात्तर निवासी फूलकुमार ने शिकायत में बताया कि गत 11 जनवरी को उसकी पुत्रवधु आरती घर से कहीं चली गई थी। उसी दिन रात को वह खटकड़ निवासी अपने भाई अजय, उसका साला, उसका जीजा और मां साधना संग कार में घर पहुंची।

पीओ पकड़ो स्टाफ ने भगोड़ा आरोपी दबोचा

कैथल। पीओ पकड़ो स्टाफ द्वारा एक भगोड़े आरोपी को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पीओ पकड़ो स्टाफ के एएसआई राजकुमार की टीम द्वारा आरोपी गांव जाखोली निवासी विकास को काबू कर लिया। बता दें आरोपी किसी अन्य मामले में कैथल जेल में बंद था। 26 सितबर 2023 को जेल की तलाशी दौरान आरोपी विकास के कब्जे से फोन व सिम कार्ड बरामद हुआ था।

मंडवाल मार्ग पर झाड़ियां दे रहीं हादसों को न्योता

राजौंद। राजौंद से मंडवाल मार्ग पर सड़क के दोनों और खड़ी झाडियां लोगों के लिए दुर्घटना का कारण बन रही है। कई जगह पर तो यह झाड़ियां सड़क की और बिल्कुल झुक कर खड़ी है। जिससे वाहन चालक व पैदल चलने वाले राहगीर काफी परेशान हो चुके है।

एसपीएस उचाना मंडी में ग्रामीण महिला खेल प्रतियोगिता

100 मीटर तेज चाल में सुमन खटकड़ प्रथम, नीलम द्वितीय

300 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लेकर प्रतिभा का प्रदर्शन किया

खेलकूद से शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य होता है सुदृढ़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

शिवानिया पब्लिक स्कूल उचाना मंडी में ग्रामीण महिला खेल प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर एसडीएम दलजीत सिंह पहुंचे तो अध्यक्षता सीडीपीओ कांता यादव ने की। एसडीएम द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। अलग-अलग आयु वर्ग के दो वर्गों में प्रतियोगिता आयोजित हुई। सर्दी होने के बावजूद भी आस-पास के गांवों से 300 से अधिक महिलाएं हिस्सा लेने पहुंची। मंच संचालन मा. रामप्रसाद ने किया। निर्णायक मंडल में सुभाष, बिजेंद्र, शीशपाल शामिल रहे। एसडीएम ने कहा कि खेलकूद गतिविधियां महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। नियमित खेल एवं व्यायाम से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है, बल्कि आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने महिलाओं से दैनिक जीवन में खेल एवं स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों को अपनाने का आह्वान किया। विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। जो राशि पुरस्कार के रूप में मिलती है वो प्रतिभागियों के बैंक खाते में सीधी आएगी। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय को क्रमश 2100, 1100 एवं 750 रुपए की राशि मिलती है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी महिलाओं एवं प्रतिभागियों को बाल विवाह रोकने, एनिमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ दिलाई गई। इस मौके पर दलबीर खटकड़, विकास खटकड़, मा. रामप्रसाद, शीशपाल शास्त्री मौजूद रहे।

उचाना। दौड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लेते हुए प्रतिभागी।

उचाना। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए एसडीएम दलजीत सिंह।

ये रहे विजेता

18 से 30 वर्ष आयु वर्ग में 300 मीटर रेसः नीरू धनखड़ी प्रथम, अन्नू खटकड़ द्वितीय, प्रिया धनखड़ी तृतीय। 400 मीटर रेसः पूजा काकड़ोद प्रथम, तमन्ना बडनपुर द्वितीय, प्रीति धनखड़ी तृतीय। 5 किलोमीटर साइकिल रेसः रीना खेड़ी मंसानिया प्रथम, खुशी उचाना मंडी द्वितीय। रितुल उचाना खुर्द तृतीय। 30 से 45 वर्ष आयु वर्गः 100 मीटर तेज चालः सुमन खटकड़ प्रथम, नीलम खटकड़ द्वितीय, कविता काकड़ोद तृतीय। म्यूजिकल चेयरः कमलेश खेड़ी मंसानिया प्रथम, निर्मला उचाना मंडी द्वितीय, सरोज बुडायन तृतीय। डिस्क थ्रोः मुकेश झील प्रथम, सुमन भौंगरा द्वितीय, सुनीता उचाना खुर्द तृतीय।

कविता, भजन व गीतों से बांधा समा

- सीनियर सिटीजन फोरम ने किया परिवार मिलन समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मकर संक्रांति के शुभ अवसर पर सीनियर सिटीजन फोरम जींद द्वारा परिवार मिलन समारोह एवं जनरल बॉडी मीटिंग का आयोजन डीएवी स्कूल प्रांगण में किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फोरम के प्रधान पूर्व वीसी डा. एके चावला ने की। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि पदमश्री महावीर गुड्डू और विशिष्ट अतिथि मंजू ढिगाना राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता एवं प्रथम सुषमा स्वराज विजेता थे। मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को सीनियर सिटीजन फोरम ने शाल

एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सीनियर सिटीजनों ने कविताएं, भजन और गीत प्रस्तुत कर समा बांध दिया। पदमश्री महावीर गुड्डू ने अपनी टीम के साथ रागनी, शिव स्तुति और राष्ट्रभक्ति गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए तथा उन्होंने वरिष्ठ नागरिक फोरम द्वारा किए जा रहे समाजहित के कार्यों की सराहना की। डा. डीडी विद्यार्थी ने अस्वस्थ होते फोरम के सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। मंजू ढिगाना ने वरिष्ठ नागरिक फोरम द्वारा विशिष्ट अतिथि के तौर पर आमंत्रित करने पर आभार व्यक्त किया। प्रधान डा. एके चावला ने सभी सदस्यों और अतिथियों का स्वागत किया और ठंड के बावजूद उपस्थित रहने पर धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में सुभाष ढिगाना, मालक सिंह चीमा, कर्नल डीकेभारद्वाज, पीसी जैन, कमांडेंट रमाकांत शर्मा, बीएम पंवार, एनएल मिगलानी, राधेश्याम चिलाना, सूरजभान पातलान और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कलायत। आयोजित बैठक में श्री रैदास तख्त प्रबंध कमेटी के प्रधान डॉ. प्रीतम कोलेखा, महात्मा गुरु प्रसाद व अन्य सदस्य। *फोटो :हरिभूमि*

गुरु रविदास जन्मोत्सव 25 को मनाया जाएगा

कलायत। कलायत स्थित श्री रैदास तख्त पर 25 जनवरी को संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इसमें देश-प्रदेश से संत-महात्मा शिरकत करेंगे। बृहस्पतिवार को श्री रैदास तख्त परिसर में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से महोत्सव आयोजन का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता श्री रैदास तख्त प्रबंध कमेटी प्रधान डा. प्रीतम कोलेखा ने की। बैठक में मुख्य रूप से श्री तख्त के महात्मा गुरु प्रसाद की गरिमामयी उपस्थिति रही। आयोजन को लेकर प्रधान के समक्ष श्री तख्त प्रबंध कमेटी उप प्रधान धर्मपाल जेष्ठ, कोषाध्यक्ष सुभाष धानियां, लखपत राय पातलान, मा.सूरज प्रकाश जेष्ठ, पार्षद कुमारी रेणू धानियां, कुलदीप दहिया, विनोद जेष्ठ, ओमप्रकाश पातलान, लखीराम ब्राह्मणियां, कृष्ण धानियां आदि मौजूद रहे।

हिंदू कन्या कालेज में मनाया सेना दिवस

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय की एनसीसी विंग द्वारा भारतीय सेना दिवस मनाया गया। इस दिवस को मनाने हेतु भारतीय सेना की उपलब्धियां विषय पर एक ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर ने की। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी कन्वीनर अंजू और को कन्वीनर डा. क्यूटी ने किया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डा. सत्यवान पॉलिस्ट सहायक प्रवक्ता अंग्रेजी विभाग पोस्ट ग्रैजुएट गवर्नमेंट कॉलेज चंडीगढ़ से रहे। डा. सत्यवान पॉलिस्ट ने 15 वर्ष के शैक्षणिक अनुभव से पूर्व भारतीय वायु सेना में 20 साल की विशिष्ट सेवाएं दी, जहां उन्होंने सार्जेंट के रूप में कार्य किया। अपने व्याख्यान में डा. सत्यवान ने बताया कि भारतीय सेना महत्वपूर्ण है। क्योंकि वे राष्ट्रीय सुरक्षा में सहायता करती हैं।

जरूरतमंदों को गर्म कंबल वितरित किए

पूंडरी। भारत विकास परिषद फतेहपुर पूंडरी शाखा द्वारा मकर संक्रांति के पावन अवसर पर सामाजिक सरोकार निभाते जयराम आदर्श गोशाला में बिहार से आकर मजदूरी करने वाले जरूरतमंद प्रवासी मजदूरों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कंबल वितरित किए गए। इस सेवा कार्य का उद्देश्य कड़ाके की ठंड में श्रमिक वर्ग को राहत प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष प्रवीण मित्तल ने कहा कि भाविप सदैव सेवा, संस्कार और संगठन के मूल मंत्र पर कार्य करती है तथा समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करना परिषद का दायित्व है। शाखा संरक्षक विनोद बंसल ने कहा कि मकर संक्रांति जैसे पावन पर्व पर जरूरतमंदों की सेवा करना ही सच्ची मानव सेवा है। शाखा महिला सहभागिता प्रमुख निधि मोहन, पर्यावरण उपाध्यक्ष नवीन ताया, सुनील मित्तल आदि मौजूद रहे।

पूंडरी। प्रवासी मजदूरों को कंबल वितरित करते हुए शाखा सदस्य।

कैथल। ग्रामीणों को जागरूक करते पुलिस कर्मचारी। *फोटो :हरिभूमि*

नशे के खिलाफ किया जागरूक

कैथल। वीरवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में डोर टू डोर जागरूकता अभियान चलाया,जिसके माध्यम से आमजन को नशे के दुष्परिणामों से अवगत करवाया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की इस अभियान के दौरान जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही रेखा व सोनिया, एसपीओ राजपाल, प्रदीप कुमार व जसविंदर द्वारा गांव चाणचक व सरौला में डोर टू डोर तथा चौका पार्क जाकर लोगों से संवाद किया गया। पुलिस टीम ने नागरिकों को नशे से होने वाले सामाजिक, पारिवारिक और स्वास्थ्य संबंधी नुकसानों की जानकारी दी तथा युवाओं को विशेष रूप से नशे से दूर रहने का संदेश दिया। पुलिस टीम ने आमजन को बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के भविष्य को अंधकार में धकेलता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है।

पुलिसकर्मियों को करवाया ध्यान का अभ्यास

जींद। लघु सचिवालय में आयोजित किए जा रहे योग ब्रेक कार्यक्रम के अंतर्गत एसपी कार्यालय में योग ब्रेक प्रशिक्षण का आयोजन पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मियों के लिए किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसपी ऑफिस के 40 अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। आयुष विभाग के आयुष योग सहायक नवनीत और कुलदीप के द्वारा पुलिस विभाग के एसपी ऑफिस के अधिकारी और कर्मचारियों को योग ब्रेक का प्रशिक्षण दिया। सबसे पहले सूक्ष्म क्रियाएं करवाई। उसके बाद योग ब्रेक प्रोटोकॉल में वर्णित आसनों का अभ्यास करवाया। फिर प्राणायाम का अभ्यास कराया गया और अंत में ध्यान का अभ्यास करवाया गया। पांच मिनट के योग ब्रेक का उद्देश्य कर्मचारियों को रिफ्रेश करना और अपने कार्य पर पुनः ध्यान केंद्रित करना और थकावट को दूर करना है।

जींद। योग ब्रेक कार्यक्रम में भाग लेते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

जुलाना। बैठक में भाग लेते किसान और ट्रैक्टर चालक।

आरटीओ की कार्रवाई पर जताया रोष

जुलाना। क्षेत्र के ब्राह्मणवास गांव के पास प्रदेश भर के ट्रैक्टर चालकों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आरटीओ विभाग द्वारा पराली से भरे ट्रैक्टरों के भारीभरकम चालान काटे जाने पर गहरा रोष प्रकट किया गया। ट्रैक्टर चालकों और किसानों ने इसे किसान विरोधी कार्रवाई करार देते सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की। जनता सरकार मोर्चा के अध्यक्ष डा. देवेंद्र बल्हारा ने कहा कि सरकार एक ओर पराली जलाने पर रोक लगा रही है ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे लेकिन दूसरी ओर किसान जब पराली को एकत्रित कर बेचने के लिए ट्रैक्टरों के माध्यम से ले जाता है तो आरटीओ द्वारा 40 से 50 हजार तक के भारी चालान काट दिए जाते हैं। कहा कि यह दोहरी नीति किसानों और ट्रैक्टर चालकों को आर्थिक रूप से कमजोर करने का काम कर रही है।

कैथल। जिला जेल में योगाभ्यास करते बंदी। *फोटो :हरिभूमि*

कैदियों ने किया सूर्य नमस्कार

कैथल। आयुष विभाग और हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वाधान में जिला जेल कैथल में कैदियों के लिए सूर्य नमस्कार प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया ने किया। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 250 कैदियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन जिला जेल अधीक्षक अशोक कुमार एवं जेल उप-अधीक्षक शैलाक्षी भारद्वाज की देखरेख में संपन्न हुआ। डॉ. शकुंतला दहिया ने बताया कि सूर्य नमस्कार के माध्यम से कैदियों को शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आत्म-अनुशासन के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि नियमित योग अभ्यास से सकारात्मक सोच विकसित होती है और तनाव में कमी आती है।

जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

संकल्प एक परिवर्तन सामाजिक संस्था की ओर से मकर संक्रान्ति के पावन पर्व पर कंबल वितरण समारोह का आयोजन सेक्टर 8 स्थित मंगला हॉस्पिटल के सामने किया। समारोह में संकल्प परिवर्तन के संयोजक डा. सुशील मंगला, प्रधान बीएस गर्ग, उप प्रधान डा. संजय शर्मा, महासचिव अजय भाटिया, डा. अनिल गोयल, संजय शर्मा, अजय कुमार व संस्था के सदस्यों ने मिल कर जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए। डा. मंगला ने कहा कि इस भीषण सर्दी में कम्बल वितरण का कार्य बहुत ही पुण्य का कार्य है। बताया कि संकल्प एक परिवर्तन टीम पहले भी भीषण ठंड में जरूरतमंद लोगों को कम्बल बांटती रहती है और संस्था की ओर से आगे भी इस प्रकार के सामाजिक कार्य जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि मानवीय सेवा ही सच्ची सेवा है और हर छोटा प्रयास जरूरतमंद के लिए बड़ी राहत बन सकता है। संकल्प एक परिवर्तन के प्रधान बीएस गर्ग ने कहा कि उनकी संस्था का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को उद्देश्य कम्बल और ऊनी कपड़े वितरण का रहा है। बाद में संस्था के सदस्यों ने सोमनाथ मंदिर व जयन्ती देवी मंदिर के बाहर बैठे जरूरतमंद लोगों को कम्बल वितरित किए। कड़कड़ाती ठंड में कम्बल पाकर उनके चेहरे खिल उठे व उन्होंने संस्था के सदस्यों को दुआएं दी।

जींद। जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते हुए डा. सुशील मंगला।

कैथल। रेडक्रास सचिव रामजी लाल यातायात नियमों बारे जागरूक करते हुए।

यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

कैथल। डीसी अपराजिता के मार्गदर्शन में वीरवार को सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया गया। प्राथमिक चिकित्सा ग्रहण कर रहे प्रशिक्षणार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया। सचिव रामजी लाल ने कहा कि सड़क पर वाहन चलाते समय यदि प्रत्येक व्यक्ति यातायात के नियमों का पालन करें तो सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। धुंध /कोहरे में हमें सावधानी से वाहन चलाना चाहिए। वाहन चलाते समय हमें किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करना चाहिए। सड़क सुरक्षा से दुर्घटनाएं कम होती है और मानव जीवन सुरक्षित रहता है। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक सिग्नल और यातायात नियमों का पालन करना आवश्यक है, गाड़ी चलाते समय हमेशा सीट बेल्ट और दोपहिया वाहन पर हेलमेट का उपयोग करना चाहिए।

अतिरिक्त उपायुक्त ने समाधान शिविर में सुनीं समस्याएं

नागरिकों की शिकायतों का स्थायी समाधान करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा के निर्देशानुसार अतिरिक्त उपायुक्त प्रदीप कुमार ने वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनी। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का नियमानुसार, समयबद्ध और प्रभावी समाधान किया जाए। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि शिकायतों का निपटारा करते समय अधिकारी स्वयं संबंधित नागरिक से संवाद करें और उन्हें पूरी प्रक्रिया की जानकारी दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाधान शिविरों का उद्देश्य केवल औपचारिकता निभाना नही बल्कि समस्याओं का स्थायी समाधान करना है। वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में कुल चार शिकायतें प्राप्त हुईं। शिकायतों की सुनवाई के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त ने मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इन मामलों का शीघ्र और सही तरीके से निपटारा करें ताकि समाधान शिविर में आने वाले नागरिकों को वास्तविक राहत मिल सके। शिविरों में लंबित और पुनः खुली री ओपन शिकायतों की भी समीक्षा की। कहा कि प्रत्येक शिकायत पर की कार्यवाही की रिपोर्ट सही व स्पष्ट रूप से दर्ज की जाए। एडीसी ने बताया कि सीएम नायब सिंह सैनी के स्पष्ट निर्देश हैं कि समाधान शिविरों में आने वाले प्रत्येक नागरिक की समस्या का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक सोमवार और वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला मुख्यालय एवं सभी उपमंडल मुख्यालयों पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

जींद। समाधान शिविर में शिकायतें सुनते एडीसी प्रदीप कुमार। *फोटो :हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

समाधान शिविर के दौरान हनुमान नगर के निवासियों ने सीवर लाइन दबने के बाद गली का स्तर ठीक न होने की शिकायत रखी। इसके अलावा फैमिली आई डी में आय ठीक करवाने से संबंधित, बिजली विभाग से जुड़ी तथा पैसों के लेनदेन से संबंधित शिकायतें भी सामने आईं। सभी शिकायतों पर संज्ञान लेते अतिरिक्त उपायुक्त ने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसडीएम सत्यवान मान, डीएमसी सुरेंद्र सिंह, सीटीएम मोनिका सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पूंडरी। हाबड़ी में आयोजित शिविर में भाग लेते हुए ग्रामीण। *फोटो :हरिभूमि*

एड्स से बचाव की जानकारी दी

पूंडरी। हरियाणा राज्य एड्स नियंत्रण समिति पंचकूला एवं स्वास्थ्य विभाग कैथल व पूंडरी के संयुक्त तत्वावधान में पूंडरी खंड के गांव हाबड़ी में एचआईवी/एड्स जागरूकता एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूक करना तथा बचाव के उपायों की जानकारी देना रहा।

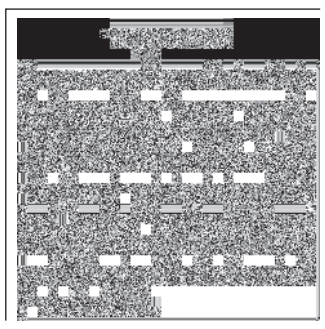

खबर संक्षेप

नोटिस को लेकर भाकियू ने जताया रोष

राजौंद। किसान मजदूर यूनियन के प्रेस प्रवक्ता सुभाष बड़सिकरी ने कहा कि सरकार ने किसान मजदूर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कौथ को प्रशासन द्वारा नोटिस भेजे गए हैं जो बहुत निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने किसी भी प्रकार सुरेश कौथ के साथ जयाति की तो किसान मजदूर यूनियन सरकार की ईंट से ईंट बजाने पर मजबूर होंगी। उन्होंने कहा कि हमारा संगठन 36 बिरादरी भाईचारा का संगठन है।

कसूहन में लाइब्रेरी का शिलान्यास करेंगे विधायक

उचाना। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री अपने पैतृक गांव कसूहन में 16 जनवरी को पहुंचेंगे। यहां बनने वाली लाइब्रेरी के कार्य का शिलान्यास करेंगे। सरपंच प्रतिनिधि श्रीकांत कसूहन ने बताया कि गांव में लाइब्रेरी का निर्माण होने से प्रतियोगिकी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को फायदा होगा। सबसे अधिक फायदा बेटियों को होगा वो इस लाइब्रेरी में आकर जो पढ़ाई कर वो बनने का सपना देख रही है उसको पूरा कर साकार कर सकेंगी।

जरूरतमंदों को बांटे कंबल, जर्सी, शॉल

उचाना। डूमरखा के ईरा इंटरनेशनल स्कूल प्रांगण में भीष्म मानव कल्याण फाऊंडेशन द्वारा जरूरमंदत ईंट भट्ठों पर कार्य करने वालों को कंबल, शॉल, जर्सी बांटे गए। मुख्य अतिथि के तौर पर मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा पहुंचे। विशिष्ट अतिथि रामकुमार भारद्वाज जलालपुरा, शिव नारायण शर्मा एमडी नव दुर्गा स्कूल जींद रहे। सुरेंद्र खरकभूरा ने कहा कि जन सेवा नारायण सेवा है। सर्दी के मौसम में जरूरतमंदों की मदद करनी चाहिए।

आरटीओ चालान के नाम पर ठग रहे जालसाज

कैथल। जिला पुलिस अधीक्षक कैथल उपासना ने आमजन को साइबर अपराध से सचेत करते हुए बताया कि साइबर ठगों ने अब ठगी का नया तरीका इजाद किया है। जालसाज खुद को आरटीओ अधिकारी बताकर लोगों को व्हाट्सऐप पर ट्रैफिक चालान के नाम पर एक एपीके फाइल भेज रहे हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति इस फाइल को डाउनलोड और ओपन करता है तो उसका मोबाइल फोन हैक हो जाता है।

नियमों की खुलेआम अनदेखी, मार्केट कमेटी की चुप्पी पर उठे सवाल

सील मिलों के लाइसेंस रद नहीं करना बना विवाद का विषय

राइस मीलों पर गंदा पानी छोड़ने, हवा को दूषित करने जैसे गंभीर आरोप

गुहला चीका। राइस मिल की फाइल फोटो। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुहला–चीका

गुहला–चीका क्षेत्र में प्रदूषण फैलाने के गंभीर आरोपों में हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सील की गई राइस मिलों के बावजूद उनके व्यापारिक लाइसेंस रद्द न किया जाना अब बड़े विवाद का विषय बनता जा रहा है। यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही तक सीमित नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और मानवाधिकारों के खुले उल्लंघन से जुड़ा हुआ माना जा रहा है।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि जिन राइस मिलों को गंदा पानी खुले में छोड़ने, रिचार्ज बोर के माध्यम से धरती के नीचे दूषित जल पहुंचाने और हवा को जहरीला बनाने जैसे गंभीर आरोपों के चलते सील किया गया है, उनके लाइसेंस आज भी मार्केट कमेटी द्वारा यथावत रखे गए हैं।

प्रशासनिक चुप्पी बढ़ा रही संदेह

मानव अधिकार आयोग की कार्रवाई, आरटीआई से सामने आए तथ्य और लगातार हो रहे ग्रामीण विरोध प्रदर्शन यह संकेत दे रहे हैं कि यदि शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह मामला उच्च न्यायालय और अन्य संवैधानिक मंचों तक पहुंच सकता है। सवाल यह है कि क्या प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है?

हरियाणा कृषि उपज मंडी अधिनियम की अवहेलना

हरियाणा कृषि उपज मंडी अधिनियम, 1961 की धारा 27 के अनुसार यदि कोई लाइसेंसधारी कानूनों का उल्लंघन करता है या जनस्वास्थ्य एवं सार्वजनिक हित को नुकसान पहुंचाता है, तो मार्केट कमेटी को उसका लाइसेंस रद्द या निलंबित करना होता है।

जल व वायु प्रदूषण कानूनों की अनदेखी

जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 और वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत बिना शोधन अपशिष्ट जल का निस्तारण तथा धूल, राख व धुएं का उत्सर्जन दंडनीय अपराध है। इन्हीं उल्लंघनों के चलते राइस मिलों को सील किया गया, फिर भी उनके लाइसेंस बरकरार है।

लाइसेंस और वैधता के बीच विरोधाभास

सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 116 राइस मिलों को संचालन की सहमति दी है, जबकि जिला नगर योजनाकार कार्यालय के अनुसार केवल 10 से 12 राइस मिलों के पास ही वैध चेंज ऑफ लैंड यूज (सीएलयू) की अनुमति है।
बिना भूमि उपयोग परिवर्तन के चल रही राइस मिलों का संचालन स्वयं अवैध है।

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन

पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत प्रदूषण फैलाने वाली औद्योगिक इकाइयों का संचालन दंडनीय अपराध है। जब किसी इकाई को प्रदूषण के आधार पर सील कर दिया जाता है, तो उसका व्यावसायिक संचालन स्वतः अवैध हो जाता है। ऐसे में सील की गई राइस मिलों के लाइसेंसों का बने रहना कानून के उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है।

क्या मानव अधिकार आयोग के आदेश भी नजरअंदाज?

हरियाणा मानव अधिकार आयोग ने स्पष्ट कहा है कि स्वच्छ और सुरक्षित पर्यावरण में जीवन जीना प्रत्येक नागरिक का मौलिक मानव अधिकार है। आयोग के आदेशों में प्रदूषण फैलाने वाली राइस मिलों और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी का उल्लेख है।

ग्रामीणों का सीधा सवाल— 'जब मिल सील है, तो लाइसेंस क्यों?'

ग्रामीणों का कहना है कि जब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड स्वयं यह मान चुका है कि राइस मिलें नियमों का उल्लंघन कर रही हैं और उन्हें सील किया गया है, तो फिर मार्केट कमेटी किस आधार पर उनके लाइसेंस बचाए बैठी है। ग्रामीणों के अनुसार लाइसेंस रद्द न करना लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

प्राथमिक स्कूल हरनामपुरा ने स्वच्छ विद्यालय का खिताब जीता

■ पचास हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय हरनामपुरा।

मुख्यमंत्री स्कूल सौंदर्यीकरण प्रोत्साहन योजना 2025-26 के तहत खंड नरवाना में राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय हरनामपुरा प्रथम रहा। स्कूलों के चयन के लिए विद्यालयों का निरीक्षण करने के लिए एसडीएम जगदीश चंद्र की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई थी। जिसके सदस्य खंड शिक्षा अधिकारी राजेंद्र आजाद वर्तमान में उप जिला शिक्षा अधिकारी, प्रधानाचार्य रविंद्र मित्तल एवं अशोक कुमार, महिला बाल विकास अधिकारी रहे। कमेटी सदस्यों ने खंड के सभी प्रतिभागी स्कूलों का निरीक्षण किया तथा पाया कि खंड में उत्कृष्ट विद्यालय जो कि सभी मापदंडों पर खरा उतरा प्राथमिक स्कूल हरनामपुरा है। सौंदर्यीकरण प्रतियोगिता में 400 अंकों में से सर्वाधिक अंक लेकर खंड में सुंदर स्कूल का खिताब जीता। गुरूवार को जब इसका परिणाम घोषित हुआ तो पूरा विद्यालय परिवार खुशी से झूम उठा। मुख्याध्यापक अनन्तपाल नैन ने

उजाला सिग्नस अस्पताल ने बिजली कर्मचारियों के लिए लगाया सेमिनार

■ कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य प्रणाली के प्रति जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। शिविर में उपस्थित यूएचबीवीएन के टैक्नीकल स्टाफ के कर्मचारी। *फोटो :हरिभूमि*

उजाला सिग्नस सुपरस्पैशलिटी अस्पताल कैथल के सहयोग से अंबाला रोड स्थित हिंदू कन्या स्कूल में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के टैक्नीकल स्टाफ के कर्मचारियों के लिए एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का उद्देश्य हाई रिस्क कार्य करने वाले कर्मचारियों को फर्स्ट एड, तनाव प्रबंधन और सुरक्षित कार्य प्रणाली के प्रति जागरूक करना रहा। सेमिनार के दौरान कर्मचारियों को बताया गया कि किस प्रकार काम के दौरान सावधानी बरतकर हादसों से बचा जा सकता है।

अस्पताल के यूनिट हेड रोहित मेहता ने कहा कि बिजली विभाग के कर्मचारियों पर कार्य का दबाव अधिक रहता है, जिसके कारण कई बार दुर्घटनाएं हो जाती हैं। ऐसे हादसों को रोकने के लिए कर्मचारियों को तनावमुक्त रहकर काम करने, धैर्य बनाए रखने और आपात स्थिति में फर्स्ट एड देने की जानकारी दी गई है। यूएचबीवीएन के अधीक्षण अभियंता (एसई) सोमबीर सिंह ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में हरियाणा में बिजली निगम से जुड़े कई हादसे सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि नए साल 2026 में "जीरो फैटलिटी" का लक्ष्य रखा गया है, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो।

सरकार की मजदूर और किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ 12 फरवरी को हड़ताल

■ हड़ताल की तैयारियों को लेकर 31 जनवरी तक सभी जिलों में होंगे संयुक्त सम्मेलन

■ कर्मचारी, मजदूर व संयुक्त किसान मोर्चा के महासम्मेलन में किया हड़ताल का ऐलान

जींद। सम्मेलन को संबोधित करते हुए कर्मचारी नेता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

केंद्र ट्रेड यूनियनों, कर्मचारी संगठनों और संयुक्त किसान मोर्चा के संयुक्त आह्वान पर गुरूवार को जाट धर्मशाला में महासम्मेलन का आयोजन किया गया। महासम्मेलन में केंद्र और राज्य सरकार की मजदूर, कर्मचारी और किसान विरोधी नीतियों की आलोचना की और 12 फरवरी को हड़ताल करने का ऐलान किया गया। महासम्मेलन में हड़ताल की ऐतिहासिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए संकल्प लिया गया और 31 जनवरी तक सभी जिलों में संयुक्त सम्मेलन आयोजित करने का फैसला लिया गया। महासम्मेलन अध्यक्षता सर्व कर्मचारी संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री, इंटक के राज्य प्रधान अमित यादव ने की थी।

यह रहे मौजूद

महासम्मेलन में सीटू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुदीप दत्ता, इंजीनियर विकास मलिक, अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा, ट्रेड यूनियन सीटू हरियाणा के महासचिव जयभगवान व रमेश चंद्र, धर्मबीर लोहान, एटक महासचिव अनिल पवार, एचएमएस से एसडी त्यागी, एआईयूटीयूसी के महासचिव हरि प्रकाश आदि मौजूद रहे।

जींद। जींद बस अड्डा।

रोडवेज जींद डिपो ने छात्राओं के लिए जींद से घोघड़िया के लिए चलाई स्पेशल बस, छात्रों को फायदा

जींद। ग्रामीणों की मांग पर रोडवेज जींद डिपो ने छात्राओं के लिए जींद से घोघड़ियां के लिए स्पेशल बस चलाई है। यह बस सुबह सात बजे जींद बस स्टैंड से रवाना होगी। जो झांझ, बड़ौदी, छापर, भौंसला, कसूहन होते हुए घोघड़ियां पहुंचेगी। इसके बाद घोघड़ियां से सुबह आठ बजे छात्राओं को लेकर जींद के लिए रवाना होती। इसके बाद जींद पहुंच कर यह बस रोहतक रूट पर चलेगी। फिर दोपहर दो बजकर 20 मिनट पर जींद से बस घोघड़ियां के लिए दोबारा रवाना होगी। जो लगभग साढ़े तीन बजे घोघड़ियां पहुंचेंगी। इसके बाद बस वहां से जींद के लिए रवाना होगी। इस बस के चलने से छात्राओं को काफी फायदा होगा। गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्र से काफी विद्यार्थी शहर में पढने आते हैं। गोहाना रोड पर शहर के दो प्रमुख राजकीय पीजी कालेज और राजकीय महिला कालेज हैं। साथ ही अन्य कोचिंग सेंटर भी हैं। जहां विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं।

न्यूज डायरी

गोमाता की सेवा सिर्फ धार्मिक कर्तव्य नहीं सामाजिक, धार्मिक जिम्मेदारी भी : देवेंद्र अत्री

उचाना। छात्तर गांव में बाबा मनसा नाथ गऊशाला के वार्षिक महोत्सव में विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री पहुंचे। यहां पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। विधायक ने कहा कि गो सेवा सिर्फ धार्मिक कर्तव्य नहीं सामाजिक, धार्मिक जिम्मेदारी है भी है। गाय की सेवा से लोगों में दया और करूण जैसे मानवीय गुण विकसित होते है। वेदों में गाय को कामधेनु भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है सभी इच्छाओं को पूरा करने वाली। जो व्यक्ति गाय की पूजा करता है उसके मन को शांति, परिवार की उन्नती निश्चित है। भगवान कृष्ण भी गायों की सेवा करते थे। भारतीय संस्कृति और सनातन में गाय माता को माता का दर्जा प्राप्त है।

नगर पालिका में बंदर पकड़ने की कार्यवाही केवल खानापूर्ति, आईटीआई में पहुंचा बंदरों का झुंड

राजौंद। पिछले दिनों नगर पालिका द्वारा बंदरों को पकड़ कर जंगल में छोड़ने की कार्रवाई की गई थी जो पूरी तरह फेल साबित हुई है। बंदर पकड़ने के लिए केवल खानापूर्ति पूरी की गई है। बंदरों का आतंक इस तरह है कि नागरिक इन बंदरों से पूरी तरह परेशान हो चुके है। गुरुवार को राजौंद जींद रोड पर स्थित आईटीआई में बंदरों का एक झुंड विद्यार्थियो व स्टाफ सदस्यों पर काटने के लिए दौडा जिससे विद्यार्थियों ने बड़ी मुश्किल से इस झुंड से अपने आप को बचाया। स्टाफ सदस्यों ने बताया कि पहले भी कई बार बंदर आईटीआई में नुकसान कर चुके हैं। लोगों ने बताया कि छतों पर कपड़े तक सुखाने नहीं जा सकते।

नवीन जिंदल फाउंडेशन की टीम ने तितरम और सारण में लगाया फ्री हेल्थ कैंप

राजौंद। लोगों तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से सांसद नवीन जिंदल की ओर से चलाई गई मेडिकल वैन गांव तितरम और गांव सारण में पहुंची। इन दोनों गांवों में डॉ. बलिंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम ने ग्रामीणों का चेकअप करने के बाद उन्हें निशुल्क दवाइयां दी। गांव तितरम में 97 लोगों को दवा देने के साथ 10 मरीजों लैब टेस्ट किए गए। जबकि सारण में 61 मरीजों की ओपीडी के साथ तीन लैब टेस्ट हुए। कुल 171 लोगों तक निशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाया गया।

श्रीनाथजी गो सेवा ट्रस्ट ने 11वां स्थापना दिवस श्रद्धा व सेवा के साथ मनाया

पूंडरी। महंत खुशीनाथ जी से आशीर्वाद प्राप्त करते श्रद्धालु।

पूंडरी। आज गांव फतेहपुर में श्रीनाथजी गौ सेवा ट्रस्ट द्वारा हर वर्ष की भांति अपना 11वां स्थापना दिवस धार्मिक आस्था और सेवा भावना के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर स्थित गौशाला में हवन का आयोजन किया गया, जिसमें गांव एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और आहुतियां अर्पित कीं। ट्रस्ट का सफल संचालन महंत योगी खुशी नाथ जी द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस गौशाला की विशेषता यह है कि यहां सर्दियों के मौसम में गोवंश को तेल और हवा खिलाकर उनकी विशेष देखभाल की जाती है। जहां आमतौर पर लोग अपने पशुओं को गन्ने के ऊपरी हिस्से को काटकर घास के रूप में खिलाते हैं, वहीं इस गौशाला में अपने खेतों में उगाए गए पूरे गन्ने को छोटी दिवाली से उखाडकर मशीन द्वारा कटाई कर गोवंश को खिलाया जाता है। इसी उद्देश्य के तहत सालभर गोवंश के लिए चारे, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था की जाती है। हवन के पश्चात भंडारे का आयोजन किया गया।

कैथल में ओपीएस बहाली को लेकर संघर्ष समिति की अहम बैठक

कैथल। ओपीएस बहाली को लेकर रोष जताते संघर्ष समिति के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

जिला कैथल में पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता जिला प्रधान सुरेंद्र माजरा ने की। बैठक में जिले के विभिन्न विभागों से बड़ी संख्या में कर्मचारी व अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जिला प्रधान सुरेंद्र माजरा ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से त्यागपत्र देने की घोषणा की तथा संगठन की एकता और निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से नए कार्यकारी प्रधान के चयन की प्रक्रिया का अनुमोदन किया।

बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से हसला के पूर्व प्रधान जितेंद्र बनवाला को पुरानी पेंशन बहाली संघर्ष समिति, जिला कैथल का कार्यकारी प्रधान नियुक्त किया गया। सभी कर्मचारियों ने नवनियुक्त कार्यकारी प्रधान को बधाई देते हुए ओपीएस बहाली के संघर्ष को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

प्रशिक्षण के उपरांत नव चयनित पटवारियों की परीक्षा शुरू

कैथल। एसडीएम गुरविंद्र सिंह पटवारियों की परीक्षा का निरीक्षण करते हुए।

कैथल। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देशानुसार जिला स्तर पर नव चयनित पटवारियों के प्रशिक्षण उपरांत कैथल आईटीआई में 15 से 20 जनवरी तक परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। डीसी अपराजिता के आदेशानुसार एसडीएम गुरविंद्र सिंह को ओवर ऑल इंचार्ज बनाया गया है। उन्होंने वीरवार को कैथल आईटीआई में चल रही परीक्षाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इन परीक्षाओं को नकल रहित, समुचित व सफल रूप से आयोजित करवाया जाए। जिला में 138 नव चयनित पटवारियों की परीक्षाएं आयोजित की जा रही है। इन सभी पटवारियों का एक साल का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। पटवारी परीक्षा दो सत्रों में आयोजित की गई, प्रातः कालीन सत्र 10 बजे से 1 बजे तक तथा सायं कालीन सत्र की परीक्षा 2 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित की गई। यह पटवारियों की लिखित परीक्षा 15, 16 व 17 जनवरी तक आयोजित होगी। इसके बाद 20 जनवरी को वाइवा का आयोजन होगा। परीक्षा के के लिए विभाग के अधिकारियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं।

अस्थायी सीएचसी नगर पालिका के भीतर शीघ्र होगा स्थानांतरित

■ विधायक ने अस्थायी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीवन

सीवन। विधायक देवेंदर हंस अधिकारियों से बातचीत करते हुए।

सीवन की जनता के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अस्थायी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को नगर पालिका सीमा के भीतर स्थानांतरित करने का रास्ता आखिरकार साफ हो गया है। विधायक देवेंद्र हंस ने अस्थायी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीवन का मौके पर जाकर निरीक्षण किया और वहां मौजूद अव्यवस्थाओं व जनसमस्याओं को गंभीरता से उठाया। निरीक्षण के दौरान यह स्पष्ट रूप से सामने आया कि अस्थायी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगर पालिका सीमा से बाहर संचालित किया जा रहा है, जिसके चलते आम नागरिकों को लंबे समय से भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। केंद्र में न तो पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था है और न ही मूलभूत सुविधाएं मानकों के अनुरूप हैं। मरीजों के लिए बैठने, उपचार और आपात स्थितियों में त्वरित सुविधा जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं भी असंतोषजनक पाई गईं। विधायक देवेंद्र हंस ने कहा कि यह स्वास्थ्य केंद्र नगर क्षेत्र से काफी दूर स्थित है, जहां तक पहुंचना बुजुर्गों, महिलाओं, बच्चों और आपातकालीन मरीजों के लिए बेहद कठिन है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि "ऐसी स्थिति में यह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र होना या न होना लगभग बराबर है, क्योंकि जिन लोगों के लिए यह बनाया गया है, वही इससे वंचित रह जाते हैं।"

शिक्षकों व छात्रों को नई पाठ्यचर्या और शिक्षा पद्धति की दी जानकारी

डीएवी स्कूल में हुई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर कार्यशाला

नया करिकुलम फ्रेमवर्क छात्रों के विकास को बढ़ावा देगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। कार्यशाला में भाग लेते हुए शिक्षक।

नई शिक्षा नीति से शिक्षा प्रणाली में होगा बदलाव

कार्यशाला के दौरान सभी अध्यापकगण ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा प्रश्नोत्तर सत्र में भी अपनी जिज्ञासाएं व्यक्त की। कार्यशाला के प्रशिक्षक सुधांशु सिन्हा व संजय त्यागी ने बहुत ही शानदार तरीके से छात्रों की राष्ट्रीय पाठ्यक्रम को बढ़ावा देने के बारे में जानकारी दी। यह 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जिसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाना है।

डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल में सीबीएसई द्वारा नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला डीएवी पब्लिक स्कूल की प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी की अध्यक्षता में आयोजित करवाई गई। दीप प्रज्वलित करके कार्यशाला की शुरुआत की गई। इस कार्यशाला में डीएवी व अन्य विद्यालयों के लगभग 61 शिक्षकों ने भाग लिया। डीएवी प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी ने कार्यशाला के विषय में कहा कि विद्यालय में इस प्रकार की कार्यशालाएं निरंतर आयोजित करवाई जाती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 2023 में लागू किए गए नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन सेमिनार का उद्देश्य शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को नई पाठ्यचर्या और शिक्षा पद्धति की जानकारी देना था। उन्होंने कहा कि नया करिकुलम फ्रेमवर्क विद्यार्थियों के समग्र विकास, रचनात्मक सोच और जीवन कौशल को बढ़ावा देता है। रिसोर्स पर्सन सुधांशु सिन्हा व संजय त्यागी ने बताया कि नेशनल करिकुलम फ्रेमवर्क फॉर स्कूल एजुकेशन प्रणाली के अंतर्गत नई शैक्षिक संरचना, मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा, खेलकूद, कला एवं नैतिक मूल्यों को शिक्षा से जोड़ा गया है। इससे विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने और निखारने में सहायता मिलेगी। छात्र रटने की बजाय समझने पर ध्यान देंगे।